



Saroj

राजघराना सरोस्की VOL-1



1001



1002



1003



1004

Saroj

सत्य .सर्ववैश्वरो लंके सत्ये धर्मः प्रदधितः ।
गन्धर्वाणि सर्वणि सन्ध्याकारिते नः फल्गु ॥
तुम सुष्टे .पालन नी संहार की शक्ति मुला,
सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वभूषण ही ।
बागवती तुम्हें नमस्कार है ।



1001

1002

1003

1004